कार्यक्षेत्र से रिपोर्ट - 7

25 मई 2020

तत्काल अपील
राहत अम्फान चक्रवात

पिछले कई दशकों में सबसे गंभीर चक्रवातों में से एक, चक्रवात अम्फान, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के लोगों के लिए विपत्ति, विनाश और मृत्यु का एक ज्वार लेकर आया है। मकानों एवं वृक्षों का बड़े पैमाने पर विनाश, हजारों जल निकाय का खारे पानी से प्रदूषित हो जाना, आजीविका की हानि तथा वर्तमान में चल रहे कोविड-19 के प्रभाव के चलते, इस क्षेत्र में जीवन बचाने के लिए तत्काल और सघन कार्य की आवश्यकता है। इन राज्यों में हमारा राहत कार्य पहले से ही चल रहा था, अब इसे और बड़े पैमाने पर करने की आवश्यकता है। **हम वहां कार्यरत हैं...आपके साथ की जरूरत है।**

राहत COVID:

कार्यक्षेत्र की मुख्य गतिविधियां :

• हमने सम्पूर्ण देश के अपने नेटवर्क को सक्रिय किया और हमारी क्षेत्रीय टीमों के अलावा 250 से अधिक सहभागी संस्थाओं के साथ 23 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशो में काम चल रहा है।
• बारह लाख किलो से अधिक राशन तथा अन्य जरुरी सामग्री पहुंचाई जा चुकी है।
• 72,000 किलो से अधिक सब्ज़िया तथा फल स्थानीय किसानो से खरीदा गया।
• स्वास्थ्य रक्षा संबंधी पहल: 2,35,000 फेस मास्क तथा 83,000 से अधिक सेनेटरी पैड बनाए गए।
• 1,26,000 लोगो तक तैयार भोजन पहुंचाया गया।

जमीनी स्तर पर अपनाए गए 8 प्रयोग

लाखो लोग अपने गाँवों की ओर लौट रहे है, उनकी कठिनाइयों का कोई अंत नहीं है। इस सप्ताह हम संपूर्ण भारत में राहत कार्य के लिए जमीनी स्तर पर अपनाए गए कुछ प्रयोग साँझा कर रहे है। हम अन्य संगठनों तथा

लोगो द्वारा किए गए प्रयोग और समाधान जानना चाहेंगे जिससे एक समानांतर सीखने का मंच तैयार किया जा सके की क्या सफल रहा और क्या नहीं, ताकि यदि किसी भी प्रकार की संभावनाए है तो विश्व के बाकी हिस्सों में इन्हे दोहराया जा सके और इस्तेमाल किया जा सके।

1. विकेन्द्रीकरण, अनुकूलन तथा स्थानीयकरण:

भारत की विविधता और लॉकडाउन के प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए हमने हमारी क्षेत्रीय टीमों और सहभागी संस्थाओं को केंद्र में रखकर और उन पर विश्वास करते हुए लोगो की जरूरतों और मांगो को प्राथमिक माना तथा संचालन तथा निर्णयों को स्थानीय बनाया गया।

2. क्षेत्र अनुकूल राहत किट:

राहत किट को क्षेत्रीय आवश्यकताओं तथा आदतों के आधार पर स्थानीय संसाधनों के उपयोग तथा न्यूनतम मानव स्पर्श के साथ तैयार किया गया।

3. फेस मास्क और कपड़े के पैड बनाना:

प्रोसेसिंग केन्द्रो पर फेस मास्क तथा कपड़े से बने सेनेटरी पैड को बनाने का काम फिर से शुरू किया गया तथा फेस मास्क बनाने का काम पूरी तरह से विकेन्द्रित किया गया जिसके अंतर्गत अब इसे समस्त गाँवों और दर्जियो की दुकानों पर बनाया जा रहा है। कार्य शालाओ तथा प्रशिक्षित टीमों के माध्यम से हम आजीविका प्रदान कर रहे है।

4. किसानो से खरीद:

कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगो की जीविका को ध्यान में रखते हुए हम किसानों की उपज को सीधे उनसे ही उत्तम मूल्य पर खरीद रहे है तथा स्थानीय समुदायों के पोषण को ध्यान में रखते हुए इन सब्जियों को राहत किट में शामिल किया जा रहा है।

5. उपेक्षित समुदायों पर ध्यान केंद्रित करना:

अपने अस्तित्व के लिए संघर्षरत उपेक्षित और पिछड़े वर्ग के लोगों और समुदायों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है - आदिवासी, दिव्यांगजन, सेक्स कर्मी, ट्रांसजेंडर, देवदासी आदि।

6. डिग्निटी फॉर वर्क (श्रम सम्मान):

लोगो के साथ समान हितधारक के रूप में कार्य करना- उनके ज्ञान, प्रयासों तथा प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को महत्व देते हुए उनके सहयोग से उनकी स्वयं की समस्याओ को हल करना।

7. सहभागिता - कार्य करने का तरीका:

वृहद फैले नेटवर्क को शहरी तथा ग्रामीण साझेदारों के माध्यम से मजबूत बनाया गया जिससे अभावो को भरा जा सके एवं कार्य प्रयासों को तेज किया जा सके।

8. स्थानीय क्षमताओं का विकास:

विक्रेताओं, व्यक्तियों तथा संस्थाओं के साथ मिलकर क्षमताओं का विकास; खरीद, वितरण, तथा रिपोर्टिंग प्रणाली के लिए, स्थानीय आवश्यकताओं तथा प्राथमिकताओं के मेल की समझ के लिए।

कार्य क्षेत्र से जानकारी:

प्रभावित लोगो तक पहुंची तत्काल राहत सहायता

• **12,00,000 किलो राशन तथा अन्य आवश्यक सामग्री,** राशन किट तथा सामुदायिक रसोइयों के माध्यम से पहुंचाई गयी।

• **83,000** परिवारों तक पहुंच।

• **1,26,000 तैयार भोजन** लोगो तक पहुंचाया गया।

स्थानीय सामुदायिक रसोइयों को सहयोग

• 21 सामुदायिक रसोइयों को **1,43,000 भोजन** के लिए **43,000 किलो** राशन के माध्यम से सहयोग।

स्वास्थ्य रक्षा संबंधित पहल

• **2,35,000 फेस मास्क** तथा **83,000 से अधिक My Pads** (कपड़े से बने सेनेटरी पैड) तैयार किए गए।

अभावो को भरने के प्रयास तथा नेटवर्क की पहुँच बढ़ाना

• **23 राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशो** में **250 सहभागी संस्थाओ** के साथ कार्यो की शुरुआत।

उद्योग जगत, संगठनों, तथा व्यक्तियों के साथ **व्यापक स्तर पर काम**।

राहत किट के लिए किसानो से सीधे तौर पर **72,000 किलो से अधिक फल और सब्जिया** खरीदी गयी।

किट के माध्यम से दिया जा रहा अन्य सामान...

• साबुन तथा स्वच्छता संबंधी सामान- **1,07,000 से अधिक**

• झोला (कपड़े से बना बैग)- **4,000**

• आसन, सुजनी और दरी- **7000 से अधिक**

• किताबे एवं खिलौने- **1000 से अधिक**

हमारा सहयोग कीजिये:

तत्काल आवश्यकता

• **थोक रूप में सामग्री सहयोग**- https://bit.ly/2yR0o0h

• **राशि सहयोग के लिये**- https://bit.ly/3b52CpJ

• गूँज के लिए **फण्ड रेजिंग कैंपेन** शुरू करने के लिए कृपया हमे jibin@goonj.org पर मेल करे।

• अधिक जानकारी के लिए हमे mail@goonj.org पर लिखे।

वेबिनार और चर्चाएँ:

• COVID: भारतीय संदर्भ और प्रत्येक व्यक्ति की क्या भूमिका हो सकती है: https://bit.ly/2ZwhaM7

आगामी:

• 27 मई, 2020, संकट और आपदा प्रतिक्रिया: गोलमेज चर्चा

पंजीकरण लिंक:

https://zoom.us/meeting/register/tJwufuCsqjIqH9Rz_1paw72DgkIpP1fp2nQw

• 28 मई, 2020, 'मिसिंग वॉयस एंड मिस्ड आउट इश्यूज़' माहवारी संवाद - 2

पंजीकरण लिंक : https://forms.gle/zMnrAcWPEZ4uTYne6

• 30 मई, 2020, "COVID की समझ - भारतीय संदर्भ"

पंजीकरण लिंक: https://forms.gle/wuNFe1xt6SmZajox9

पिछली रिपोर्ट:

• 10 अप्रैल- COVID-19- प्रवासी श्रमिकों का विस्थापन

• 17 अप्रैल - COVID-19- भूख और विस्थापन की आपदा

• 27 अप्रैल- राहत COVID-19- भुला दिए गए ग्रामीण भारत को सहेजने की कोशिश

• 4 मई- राहत COVID-19- ग्रामीण भारत तक पहुँच

• 11 मई- राहत COVID-19- समाज के वंचित और कमजोर वर्ग को नजरंदाज़ ना करना

• 18 मई- राहत COVID-19- गरिमापूर्ण जीवन सबका अधिकार

रिपोर्ट पढ़ने के लिए- https://bit.ly/2K1JH3e

गूँज कार्यालय में नए दिशानिर्देशों के अनुसार पहले की ही भांति पुरानी/नई सामग्रियों को स्वीकार किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए- www.goonj.org पर देखे।